>

Title: Need for early completion of Ban Sagar Dam Project.

श्री बाल कुमार पटेल (मिर्ज़ापुर): मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि दिनांक 16.09.1973 को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्य का सोन नदी के जल को बाणसागर बांध बनाकर दो, एक, एक के अनुपात में बटवारे को लेकर बनी बाणसागर परियोजना 38 वर्ष व्यतीत होने के बाजवूद भी गैर नियोजन की चपेट में आकर अर्थहीन बनी हुई है। मिर्जापुर जनपद में मेजा-जरगो बाणसागर नहर निर्माण हेतु 13 खंड कार्यरत हैं। लेकिन नहर निर्माण में सहायक अभियन्ता स्तर पर फर्जी सम्पर्क मार्ग निर्माण, खंड स्तर पर गैर अस्तित्व वाली फर्मों से फर्जी कूय दिखाकर धन का पूतिवर्ष बन्दरबाट किया जा रहा है। लाभान्वित होने वाली जनता जल के अभाव में कराह रही है और धन खर्च हो रहा है। लेकिन परियोजना पूर्णता की तरफ कछुआ चाल से बढ़ रही है। हजारों करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं लेकिन जिस परियोजना को 20 वर्ष पूर्व पूर्ण हो जाना था, वह अब तक निप्रयोज्य ही है। जब तक कार्य पूरा नहीं होगा तब तब न तो जल ही प्राप्त हो सकेगा और न ही विद्युत प्राप्त हो सकेगी। नियंत्रक एवं सप्रेक्षक भारत सरकार ने अपनी रिपोर्ट में गैर नियोजन होने की बात की गंभीर टिप्पणी बाणसागर के द्वितीय परियोजना के संबध में की है। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से उक्त परियोजना पर गंभीर होने की अपेक्षा करता हूं जिससे राजकीय धन का बंटरबाट बंद कर अवशेष कार्य अविलम्ब पूर्ण करवाने हेतु आवश्यक उपाय किए जाएं। उक्त परियोजना पूर्ण होने से तीनों राज्यों की लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो सकेगी एवं 500 मेगावाट विद्युत उत्पादन भी राष्ट्र हित में हो सकेगा।

श्री नीरज शेखर (बलिया): महोदय, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।